योगी ने कन्याओं के पांव पखार की मातृशक्ति की आराधना

गोरखपुर, निज संवाददाता। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि पर सोमवार को गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुरूप कन्या पूजन किया। गोरखनाथ मंदिर में आयोजित अनुष्ठान में उन्होंने कन्याओं के पांव पखारे, चुनरी ओढ़ाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया और दक्षिणा-उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया।

सोमवार को मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गोरखनाथ मंदिर के अन्न क्षेत्र के प्रथम तल स्थित भोजन कक्ष में पीतल के परात में जल से नौ नन्ही बालिकाओं के बारी-बारी पांव धोये। श्रीदुर्गासप्तशती के मंत्रों की गूंज के बीच उनके माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत आदि का तिलक लगाया। पुष्प और शक्तिपीठ की वेदी पर उगाए गए जौ के ज्वारे से उनका अभिषेक किया। माला पहनाकर, चुनरी ओढ़ाकर, उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया।

पूजन के बाद कन्याओं और बटुकों को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद सीएम योगी ने अपने हाथों से परोसा। नौ कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंची बालिकाओं और बटुकों का भी मुख्यमंत्री ने पूजन कर आरती उतारी। भोज में सभी कन्याओं और बटुकों को श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया। कन्या पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास सहित कई साधु, संत उपस्थित रहे।

गोरखनाथ मन्दिर में कन्या पूजन के बाद प्रसाद ग्रहण कराते सीएम योगी आदित्यनाथ

नौ दिन का अनुष्ठान पूर्ण

गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में नौ दिवसीय शारदीय नवरात्र का अनुष्ठान सोमवार को मां सिद्धिदात्री की आराधना के साथ पूर्ण हुआ। नवमी तिथि पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना कर लोकमंगल और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। नवरात्र के अंतिम दिन प्रातःकाल और सायंकाल दोनों सत्रों में शक्तिपीठ में विशेष पूजन हुआ। सायंकाल गर्भगृह में अनुष्ठान के दौरान गोरक्षपीठाधीश्वर ने मां सिद्धिदात्री की आरती उतारी। इसके बाद क्षमा प्रार्थना की गई।

योगी बाबा ने हमें अपने हाथों से खाना खिलाया और उपहार दिया। हमें बहुत अच्छा लगा। -आदित्री

योगी बाबा ने हमारे पैर धोए, तिलक लगाया खाना खिलाया। हमें उपहार भी मिला। -विजय राजलक्ष्मी

कन्या पूजन हुआ। योगी बाबा ने भोजन कराया और आशीर्वाद लिया। हम बहुत खुश हैं। -अविका

हमने मंदिर में कन्या पूजन कराया। योगी बाबा ने हमें प्यार से भोजन कराया और उपहार दिया। -अरुणिमा

गोरखनाथ मन्दिर में सोमवार को कन्या पूजन करते सीएम योगी आदित्यनाथ।

देखते ही बन रही थी बालिकाओं की उत्सुकता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्यार-दुलार पाने के लिए नन्हीं बालिकाओं व बटुकों की आतुरता देखते ही बन रही थी। सत्कार और स्नेह के भाव से मुख्यमंत्री ने एक-एक कर नौ कन्याओं व बटुक भैरव के पांव पखारे और पूजन किया। इस दौरान सीएम योगी के हाथों दक्षिणा मिलने से बालिकाएं काफी प्रसन्न दिखीं। पूजन के बाद कन्याओं व बटुकों को स्वयं अपने हाथों से भोजन परोसते समय सीएम योगी निरंतर आत्मीय संवाद भी करते रहे। यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी बालक-बालिका की थाली में प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे।

प्रदेश की प्रगति में नारीशक्ति की निर्णायक भूमिका : योगी

सीएम ने 'संकल्प से सिद्धि' तक दिखाई 'नए भारत के नए यूपी' के विकास की तस्वीर

लखनऊ/गोरखपुर, हिटी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर सोमवार को मां सिद्धिदात्री की आराधना की। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि सभी सिद्धियों, सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली मां सिद्धिदात्री के आशीर्वाद से उत्तर प्रदेश की नारी शक्ति अपने सामर्थ्य, संकल्प और आत्मविश्वास के बल पर प्रदेश की प्रगति एवं समृद्धि में निर्णायक भूमिका निभा रही है।

उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए 'संकल्प से सिद्धि' तक 'नए भारत के नए उत्तर प्रदेश' के विकास की तस्वीर भी दिखाई। मुख्यमंत्री ने मातृ शक्ति की महत्ता भी बताई, कहा- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवता का वास होता है। सुख, समृद्धि और कल्याण होता है।

गोरखनाथ मन्दिर के शक्तिपीठ में आरती करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ।

2017 से पहले दंगों की आग में झुलस रहा था प्रदेशः मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार के कारनामों को भी उजागर किया, कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश के उपद्रवग्रस्त माहौल ने विकास पर ग्रहण लगा रखा था। अराजकता चरम पर थी। गुंडे, माफिया और उपद्रवी समानांतर सरकार चला रहे थे। प्रदेश दंगों की आग में झुलस रहा था। पर्व-त्योहारों से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद आए विकास की तस्वीर भी साझा की। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। 'रूल ऑफ लॉ' की स्थापना के साथ प्रदेश को उपद्रव से निकाल कर उत्सव प्रदेश के रूप में स्थापित किया।

रेवेन्यू सरप्लस स्टेटः मुख्यमंत्री ने बताया कि विगत साढ़े 9 वर्षों में प्रदेश की जीएसडीपी, पर-कैपिटा इनकम, बजट और महिला श्रम बल भागीदारी तीन गुना हुई है। प्रदेश लगातार रेवेन्यू सरप्लस बना हुआ है। प्रदेश को ₹50 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

मृतप्राय पड़ा एमएसएमई क्षेत्र हुआ पुनर्जीवित

मुख्यमंत्री ने बताया कि देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का 60 प्रतिशत आज यूपी में है। प्रदेश की कृषि विकास दर 8 से बढ़कर 18 फीसदी हो गई है। निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं को साढ़े 9 लाख सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। स्टार्टअप की संख्या 120 से बढ़कर 24 हजार से अधिक हो गई है। मृतप्राय पड़े एमएसएमई क्षेत्र को पुनर्जीवित कर तीन करोड़ से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं।

नारी सुरक्षा, स्वावलंबन से प्रेरित है मिशन शक्ति

गोरखपुर, निज संवाददाता। गोरखनाथ मंदिर में सोमवार को कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार का मिशन शक्ति अभियान नारी की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली भारत की सनातन परंपरा से अनुप्रेरित है। यह मिशन नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के थीम पर ही आधारित है। इसी थीम को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश के अंदर हर थाने में एक महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। हर एक जगह उनकी सुरक्षा के लिए पुख्ता व्यवस्था की गई है। उनके लिए 1090 वीमेन हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। हर थाने में भी महिलाओं की सुरक्षा और उनसे संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए एक अलग कक्ष दिया गया है, जहां महिला बीट पुलिस अधिकारी उनकी समस्याओं का समाधान भी कर रही हैं।

सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे महिलाओं से जुड़े कार्यक्रम

सीएम योगी ने कहा कि बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक की शिक्षा के लिए प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत 25 हजार रुपये का पैकेज उन सभी परिवारों को उपलब्ध करा रही है, जहां बेटी पैदा हो रही है। बेटी जब विवाह के योग्य होती है तो एक लाख रुपये की सहायता प्रदेश सरकार देती है। उन्होंने बताया कि पांच लाख से अधिक कन्याओं का विवाह मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से अब तक संपन्न हो चुका है। प्रदेश पुलिस की भर्ती में 20 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं। प्रदेश में 2017 तक मात्र 10 हजार महिला पुलिसकर्मी सेवारत थीं, जबकि आज 45 हजार महिला पुलिस कार्मिक सुरक्षा का बेहतर माहौल बनाने में अपना योगदान दे रही हैं।

विंध्यवासिनी धाम में एक दिन में 25 लाख श्रद्धालु

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के लगभग 45 हजार स्थानों पर दुर्गा पूजा पंडाल स्थापित किए गए हैं। मां विंध्यवासिनी धाम में कॉरिडोर निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। रविवार को 25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया। सोमवार को भी 20 से 25 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। देवीपाटन शक्तिपीठ देवीपाटन में लाखों श्रद्धालुजन आए हैं।

गोरखनाथ मंदिर में पुस्तक का विमोचन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

रक्षा औद्योगिकीकरण पर लिखी पुस्तक का विमोचन

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में 'डिफेंस इंडस्ट्रियलाइजेशन इन उत्तर प्रदेश : पॉलिसी, प्रोग्रेस एंड प्रॉस्पेक्ट्स' पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने पुस्तक के प्रकाशन पर प्रधान संपादक प्रो. विनोद कुमार सिंह को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश रक्षा उत्पादन और विनिर्माण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान स्थापित कर रहा है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. विनोद कुमार सिंह इस पुस्तक के प्रधान संपादक हैं। इसका प्रकाशन गोरखपुर की सिरी रिसर्च फाउंडेशन ने किया है। पुस्तक में उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे की प्रगति, केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों तथा आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसी पहलों के प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। विमोचन के मौके पर दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह और डॉ. स्मिता सिंह मौजूद रहीं।